

**कुलगरिमा स्त्री.** (तत्.) वंश का गौरव।

**कुलगुरु पुं.** (तत्.) 1. वंश का गुरु 2. कुलपुरोहित।

**कुलगृह पुं.** (तत्.) उच्च वंश के लोगों का भवन, प्रतिष्ठित घर।

**कुलचंद्र वि.** (तद्.) कुल को चंद्रमा के समान प्रकाशित करने वाला, कुलभूषण।

**कुलचा पुं.** (फा.) 1. एक प्रकार की फूली हुई खमीरी रोटी 2. तंबू या खेमे के डंडे के ऊपर का गोल लट्ठू 3. छिपा कर इकट्ठा किया हुआ रुपया।

**कुलजा स्त्री.** (तत्.) कुलवधू।

**कुलजात वि.** (तत्.) वंश में उत्पन्न, वंशोद्भव।

**कुलजाया स्त्री.** (तत्.) कुलीन स्त्री, पतिव्रता।

**कुलट<sup>1</sup> पुं.** (तत्.) औरस के अतिरिक्त अन्य किसी प्रकारका पुत्र, क्षेत्रज, गोलक, दत्तकया क्रीत पुत्र।

**कुलट<sup>2</sup> पुं.** (तत्.) बहुत स्त्रियों से प्रेम रखने वाला व्यभिचारी।

**कुलटा स्त्री.** (तत्.) बहुत पुरुषों से प्रेम रखने वाली (स्त्री) बदचलन, व्यभिचारिणी 2. वह परकीया नायिका जो बहुत पुरुषों से प्रेम रखती हो पर्या. पुंश्चली, स्वैरिणी, पांशुला, व्यभिचारिणी।

**कुलतंतु पुं.** (तत्.) वह पुरुष जिसे छोड़ कर और कोई दूसरा सहारा उसके कुलवानों का न हो।

**कुलत स्त्री.** (तद्.) बुरी आदत, कुटेव।

**कुलतारन वि.** (तद्.) कुल को तारने वाला।

**कुलतिनक पुं.** (तत्.) वंश की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला पुरुष वि. कुल की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला, कुल में श्रेष्ठ।

**कुलथी स्त्री.** (तद्.) उरद की तरह का एक मोटा अन्न जो प्रायः बरसात में ज्वार के साथ बोया जाता है पर्या. तामबीज, वेतबीज, सिततेर, कालवृंत, तामवृंत।

**कुलदीप पुं.** (तत्.) वंश को दीप की भाँति प्रकाशित करने वाला व्यक्ति।

**कुलदुहिता स्त्री.** (तत्.) दे. कुलकन्या।

**कुलदेव पुं.** (तत्.) कुल की वह देवता जिसकी पूजा पीढ़ी दर पीढ़ी होती आई है, कुलदेवता पुं. (तत्.) दे. कुलदेवता।

**कुलदेवता स्त्री.** (तत्.) षोडश मातृकाओं में से एक।

**कुलदेवी स्त्री.** (तत्.) वह देवी जिसकी पूजा किसी कुल में परंपरा से होती आई है।

**कुलद्रुम पुं.** (तत्.) दस प्रमुख वृक्ष, जिनके नाम हैं 1. पीपल 2. बरगद 3. बेल 4. नीम 5. कदंब 6. गूलर 7. इमली 8. आमला 9. लसोड़ा 10. करंज।

**कुलधन वि.** (तत्.) जिसका धन वंश की प्रतिष्ठा में लगे।

**कुलधर पुं.** (तत्.) पुत्र, बेटा।

**कुलधर्म पुं.** (तत्.) वंश परंपरा से आनेवाला कर्तव्य कर्म, पूर्वपुरुषों द्वारा पालित धर्म।

**कुलना अं.क्रि.** (तद्.) टीस मारना, दर्द करना।

**कुलनार पुं.** (देश.) एक प्रकार का खनिज पदार्थ या पत्थर जो सफेद या कुछ सुरमई रंग लिए होता है और इसे भस्म करके 'प्लास्टर आफ पेरिस' बनाया जाता है, इसे खिलखाड़ी, संग जराहत, सफेद सुरमा और कर्पूर शिलाजीत भी कहते हैं।

**कुलपति पुं.** (तत्.) 1. किसी विश्वविद्यालय का वैधानिक प्रधान 2. वह अध्यापक जो छात्रों का भरण पोषण करता हुआ उन्हें शिक्षा देता है 3. शास्त्रानुसार वह ऋषि जो दस हजार मुनियों या ब्रह्मचारियों को अन्नदान और शिक्षा दे. महंत 4. घर का मालिक, मुखिया।

**कुलपरंपरा स्त्री.** (तत्.) वंश में पहले से चली आ रही कुल की रीती।

**कुलपर्वत पुं.** (तत्.) सात पहाड़ों का एक समूह जिसके अंतर्गत आने वाले पर्वतों के नाम- महेंद्र, मलय, सहज, शक्ति, ऋक्ष, विंध्य और परियात्र हैं।

**कुलपालक वि.** (तत्.) वंश या खानदान का पालन और रक्षण करनेवाला।